Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to broadcast news in Chattisgarhi language.

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): सभापति महोदय, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। "अरपा पैरी के धार, महानदी है अपार, इंद्रा नदी है पखारे तोरे पैंया, जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मैय्या।" जिस प्रकार से पूरे विश्व में भारत को माता का दर्जा दिया गया है, माता से संबोधित करते हैं, उसी प्रकार से पूरे हिंदुस्तान में, देश में यदि कोई महतारी, कोई माता का दर्जा किसी प्रदेश को है, तो छत्तीसगढ़ को माता का दर्जा है।

महोदय, जिस प्रकार से अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि है, उसी प्रकार से कौशल्या की जन्मभूमि छत्तीसगढ़ है। वे छत्तीसगढ़ की हैं। छत्तीसगढ़ को, कौशल्या की भूमि को उनकी भाषा चाहिए। आज मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है कि सदन में इससे संबंधित प्रसारण मंत्री सम्माननीय जावड़ेकर जी उपस्थित हैं। मैं उनसे निवेदन करता हूं कि पूरे छत्तीसगढ़ में सरगुजा से लेकर बस्तर तक, छत्तीसगढ़ी भाषा 2 करोड़ लोग बोलते हैं। टेलीविजन में समाचार छत्तीसगढ़ी में प्रसारित किया जाए। सम्माननीय जावड़ेकर जी यहां बैठे हुए हैं।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि आज इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। माननीय जावड़ेकर जी से निवेदन है कि इसको आप अवश्य प्रसारित करेंगे। मेरा निवेदन है कि आप इसके लिए आदेश देंगे।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री; सूचना और प्रसारण मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री प्रकाश जावड़ेकर): भारतीय भाषाओं का सम्मान इस सरकार की नीति है। इसके बारे में विचार करके, क्या तुरन्त किया जा सकता है, वह करेंगे।